विचार प्रवाह

सोच बदलो ज़िंदगी बदल जाएगी

सोच को बदलो सितारे बदल जाएंगे।
नज़र के बदलो नज़ारे बदल जाएंगे॥
कश्तियाँ बदलने की कोई जरुरत नहीं ।
दिशाओं को बदलो किनारे बदल जायेंगे॥

सोच को बदला और अपनी तक़दीर बदल लो।यह कहावत सच है कि अच्छी सोच तक़दीर बदल सकती है। अगर हम सकारात्मक और आशावादी सोच रखते हैं, तो हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारी सोच हमारे कार्यों और निर्णयों

को प्रभावित करती है, जो अंततः हमारे जीवन को आकार देते हैं।नकारात्मक सोच को त्यागें। नकारात्मकता हमें आगे बढ़ने से रोकती है और हमारी तक़दीर को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। नकारात्मक विचारों को सकारात्मक विचारों से बदलें। लक्ष्य निर्धारित करें। यदि आपके पास लक्ष्य हैं, तो आप उनकी ओर बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें और उन्हें प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें।

सकारात्मक रहें-सकारात्मक सोच हमें मुश्किलों से पार पाने और चुनौतियों का सामना करने में मदद करती है। सकारात्मक दृष्टिकोण हमें सफलता की ओर ले जाता है। मजबूत इच्छाशक्ति रखें-यदि आपके पास दृढ़ इच्छाशक्ति है, तो आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। अपनी इच्छाशक्ति को मजबूत करें और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें। सकारात्मक लोगों के साथ रहें-सकारात्मक लोगों के साथ रहने से आपकी सोच और दृष्टिकोण सकारात्मक होते हैं। नकारात्मक लोगों से दूरी बनाए रखें। इन तरीकों का पालन करके, आप अपनी सोच को सकारात्मक बना सकते हैं और अपनी तक़दीर बदल सकते हैं।सोच बदलो, जिंदगी बदल जाएगी÷ का अर्थ है कि अगर आप अपनी सोच बदल देते हैं, तो आपकी जिंदगी भी बदल जाएगी। यह एक प्रेरणादायक वाक्यांश है जो हमें अपनी सोच को सकारात्मक और प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित करता है। सकारात्मक सोच जीवन में सफलता, खुशी और संतुष्टि लाने में मदद करती है। जब आप सकारात्मक होते हैं, तो आप जीवन के प्रति अधिक आशावादी और खुश रहते हैं।सकारात्मक सोच आपको जीवन में अधिक संतुष्ट और खुश महसूस करने में मदद करती है।सकारात्मक सोच आपको दूसरों के साथ बेहतर संबंध बनाने में मदद करती है।जब आप सकारात्मक होते हैं, तो आप अपने आप पर अधिक विश्वास करते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अधिक प्रेरित होते हैं। अपने दिमाग में नकारात्मक विचारों को दूर करने और सकारात्मक विचारों को प्रोत्साहित करने का अभ्यास करें।सोच बदलो, जिंदगी बदल जाएगी एक शक्तिशाली वाक्यांश है जो हमें अपनी सोच को बदलने और एक बेहतर जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। सकारात्मक सोच जीवन में सफलता, खुशी और संतुष्टि लाने में मदद करती है। इस छोटी सी ज़िंदगी में ख्वाहिशें बहूत है। जुर्म पता नहीं पर इल्ज़ाम बहुत है ।हज़ारों वर्षों से लोग एक बहुत आम सवाल पूछते आ रहे हैं कि क्या हमारी क़िस्मत यानि भाग्य पहले से तय है या हम इसे बदल सकते हैं? हम अपने भाग्य को केवल मात्र अपनी अच्छी सोच से ही बदल सकते हैं ।जब भी हम अपने जीवन में किसी कठिन परिस्थिति का सामना करते हैं, तो हम अक्सर सोचते हैं कि क्या यह हमारे पिछले जन्म के कर्मों का परिणाम है? और हम यह भी सोचते हैं कि क्या हमारे पिछले जन्मों के इन नकारात्मक कर्मों का प्रभाव को हमारे वर्तमान जीवन पर न पड़ने से रोका जा सकता है? तो, हमें क्या करना चाहिए और कहां से शुरू करना चाहिए? इसके लिए सबसे पहले हमें अपने विचार को बदलना पड़ेगा और अपनी सोच को बदलना पड़ेगा ।सबसे पहले, हमें बहुत गहराई से समझने की आवश्यकता है कि सभी मनुष्यों ने अपने अलग-अलग जन्मों में कुछ नकारात्मक कर्म और साथ ही साथ कुछ सकारात्मक कर्म भी किए हैं। लेकिन एक बहुत महत्वपूर्ण बिंदु है कि कुछ आत्माओं ने कम ग़लत कर्म किए हैं, और कुछ ने अधिक किए हैं। तो, इसके परिणामस्वरूप, आज दुनिया में हर कोई अपने जीवन में किसी न किसी नकारात्मक परिस्थिति का सामना कर रहा है। दुनिया में एक सामान्य धारणा है कि भगवान हमारा भाग्य बनाते हैं और हमारे जीवन में जो भी कुछ अच्छा या बुरा होता है वो भगवान द्वारा तय किया जाता है। लेकिन भगवान द्वारा दी गई आध्यात्मिक समझ के अनुसार, यह एक सही धारणा नहीं है। वे हमारे जीवन की परिस्थितियों का निर्णय नहीं करते हैं। जब भी हमारे जीवन में कुछ अच्छा होता है, तो यह हमेशा हमारे पिछले अच्छे कर्मों का परिणाम होता है, साथ ही साथ कुछ विशेष परिस्थितियों में परमात्मा की मदद होती है, लेकिन सभी में नहीं। दूसरी ओर, जब भी हमारे जीवन में कुछ नकारात्मक होता है, तो यह केवल हमारे पिछले गलत कर्मों का परिणाम होता है। परमात्मा हमें हमारे नकारात्मक कर्मों के लिए दंडित नहीं करते हैं। इसके लिए हमें अच्छी सोच रखनी चाहिए। जिसकी सोच अच्छी है, जिसके विचार अच्छे हैं, उसकी तक़दीर भी अच्छी है। जितनी ज्यादा बड़ी आपकी सोच होगी, जीवन में आपको कामयाबी भी उतनी ही बड़ी मिलेगी।

- ऊषा शुक्ला, इफ़को आंवला बरेली (यूपी)

कार्टून कोना

इन्दौर। रेलवे स्टेशन के सामने सुबह से ही बसो के कारण जाम की स्थिति बन जाती है

पॉवर जनरेटिंग कंपनी को लगी 424 करोड़ की चपत

मानक पर खरे नहीं उतर रहे थर्मल पॉवर प्लांट

इंदौर। मप्र देश के सबसे अधिक बिजली उत्पादक राज्यों में शामिल हैं। लेकिन कुछ थर्मल पावर प्लांट मानकों पर खरे नहीं उतर रहे हैं। इस कारण पॉवर जनरेटिंग कंपनी को भारी नुकसान होने की संभावना है। जानकारी के अनुसार निर्धारित लक्ष्य पूरे नहीं करने और खराब परफॉर्मेंस के कारण वार्षिक फिक्स चार्ज के नाम पर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 424.15 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। गौरतलब है कि नियामक आयोग हर पॉवर प्लांट के ऑपरेशन के मानक निर्धारित करता है। उस हिसाब से फिक्स चार्ज तय किए जाते हैं। मप्र पॉवर मैनेजमेंट कंपनी तीनों विद्युत वितरण कंपनियों की तरफ से इस फिक्स चार्ज की राशि का हर माह मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी को भुगतान करती है।

आयोग ने विद्युत उत्पादन के लिए मानक नियम और वास्तविक स्थिति का आकलन किया था। इसमें पाया कि दोनों बड़े थर्मल पॉवर प्लांटों का परफॉर्मेंस निर्धारित मानकों के हिसाब से कमजोर है। इधर, मप्र जनरेटिंग कंपनी ने कम बिजली का उत्पादन किया, इससे पॉवर मैनेजमेंट कंपनी को

एनटीपीसी सहित अन्य निजी कंपनियों से महंगी बिजली खरीदनी पड़ी। इससे उपभोक्ताओं को महंगी बिजली मिली। इस कारण पॉवर जनरेटिंग कंपनी को 424.15 करोड़ का नुकसान हुआ।

पांच यूनिट निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरी- जानकारी के अनुसार प्रदेश के बड़े सरकारी थर्मल पॉवर प्लांट, मप्र विद्युत नियामक आयोग द्वारा बिजली उत्पादन और प्लांट के ऑपरेशन के लिए तय मानक पर खरे नहीं उतर पा रहे। निर्धारित लक्ष्य पूरे नहीं करने और खराब परफॉर्मेंस के कारण वार्षिक फिक्स चार्ज के नाम पर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 424.15 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। आयोग ने अपने एक आदेश में इसकी वसूली मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी से करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने यह कहा है कि यदि मप्र पॉवर मैनेजमेंट कंपनी ने इस राशि का भुगतान जनरेटिंग कंपनी को कर दिया है, तो वह उसे छह किस्तों में वापस करे। आदेश के मुताबिक, दो प्लांटों की पांच यूनिट निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरी। इनमें बिरसिंहपुर की एक, दो और तीन एवं सिंगाजी पॉवर प्लांट की एक और दो नंबर यूनिट शामिल हैं।

दो छोटे पॉवर प्लांट का परफॉर्मेंस बेहतर- इधर, प्रदेश के दो छोटे सरकारी पॉवर प्लांट सारणी और अमरकंटक ने मानकों के हिसाब से बिजली का उत्पादन किया। मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी में खराब मैनेजमेंट और खराब परफॉर्मेंस से हर साल करोडों का नुकसान हो रहा है। नियामक आयोग ने थर्मल पॉवर प्लांटों के ऑपरेशन के लिए जो मानक निर्धारित किए हैं, उसका पालन नहीं किया जा रहा है। इस कारण कोयला और ईंधन तेल की खपत ज्यादा हो रही है और उन्हें ज्यादा फिक्स चार्ज देना पड़ रहा है।
राजेंद्र अग्रवाल, रिटायर्ड एडिशनल चीफ इंजीनियर, मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी और आपत्तिकर्ता

संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र 9 महीने से ठप

उमरिया के बिरसिंहपुर पाली स्थित संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र की 210 मेगावाट की यूनिट में पिछले 9 महीने से बिजली उत्पादन बंद है। यह यूनिट 4 अगस्त 2024 से जनरेटर में तकनीकी खराबी के कारण बंद पड़ी है। ताप विद्युत केंद्र के मुख्य अभियंता एचके त्रिपाठी ने बताया है कि जनरेटर मोटर में आई तकनीकी खराबी का सुधार कार्य चल रहा है। जून तक यूनिट में उत्पादन शुरू होने की संभावना है। वर्तमान में बढ़ती गर्मी के कारण जिले में बिजली की मांग में वृद्धि हुई है। नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिले के विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता योगेश उइके ने बताया कि जनवरी माह में 22 लाख यूनिट की खपत थी। जो अप्रैल में 27 लाख हो गई थी। और मई में और अधिक हो जाएगी। इस प्रकार जनवरी से मई में लगभग 40 प्रतिशत बिजली की खपत बढ़ जाती है। ताप विद्युत केंद्र के जानकार बताते हैं कि 210 मेगावाट की यूनिट एक दिन में लगभग 50 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन करती है। इस प्रकार नौ महीने मे लगभग डेढ़ अरब यूनिट का उत्पादन प्रभावित हुआ है।

अनजान वीडियो, लिंक और वेबसाइट खोलने से बचें

साइबर हमलों से बचने के लिए सतर्क रहने की जरूरत, तनाव के माहौल में लापरवाही पड़ सकती है भारी

इंदौर। भारत और पाकिस्तान के बीच हालात तनावपूर्ण हैं। इस बीच देश में साइबर वार का खतरा भी बढ़ गया है। साइबर एक्सपर्ट इसे लेकर आशंकित हैं। भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम द्वारा भी एडवाइजरी जारी किए जाने की खबरें हैं। ऐसे में न सिर्फ सरकारी, निजी संस्थानों बल्कि आम लोगों को भी सतर्क रहने की जरूरत है।

इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर लोग हमले से जुड़ी जानकारी, वीडियो, लिंक भी खूब साझा कर रहे हैं। ऐसे में यह खतरा और अधिक बढ़ सकता है। यही वजह है कि न सिर्फ ऐसी सूचनाओं के प्रति सचेत रहने की जरूरत है, बल्कि अनजान वीडियो, लिंक, एपीके फाइल पर भी क्लिक करने से बचना होगा। भले ही ऐसी पोस्ट, वीडियो, लिंक किसी परिचित द्वारा ही क्यों न भेजी जा रही हो। सोशल मीडिया पर अतिउत्साह और लापरवाही भारी पड़ सकती है।

किस तरह हो सकता है साइबर अटैक- साइबर एक्सपर्ट का कहना है इस समय बड़ी संस्थाओं को साइबर थ्रेट इंटेलिजेंस की जरूरत है। यह आने वाले साइबर खतरे के लिए चेताता है और पहले से तैयार करता है। यह संस्था के सर्वर, उपयोग के हिसाब से एआई के जरिये थ्रेट ऑडिट करता है। किसी लिंक, एपीके (एंड्रायड पैकेज किट) फाइल, वीडियो के जरिए मोबाइल या किसी अन्य डिवाइस को हैक किया जा सकता है। लिंक के जरिये थर्ड पार्टी एप डाउनलोड कराकर मोबाइल हैक किया जा सकता है। आम लोगों पर साइबर अटैक के जरिये डेटा ब्रीच किया जा सकता है। साइबर अटैक कर डिवाइस हैक करने के बाद इसका उपयोग किसी भी तरह की गलत, भडक़ाऊ सूचना, डीपफेक वीडियो, फोटो पोस्ट की जा सकती है। डिवाइस हैक कर लोगों के बैंक खातों को खाली किया जा सकता है। साइबर एक्सपर्ट का कहना है कि साइबर अटैक की आशंका को देखते हुए इस समय सतर्क रहने की जरूरत है। लोग अतिउत्साह में इस समय किसी भी पोस्ट, फोटो, वीडियो को गंभीरता से लेकर उसे साझा कर रहे हैं। इसके पीछे साइबर अटैक भी उद्देश्य हो सकता है।

4000 कोरोना योद्धा सेना की मदद के लिए तैयार

इंदौर। मध्य प्रदेश के 4000 कोरोना योद्धा भारतीय सेना की मदद के लिए तैयार हैं। जिसे लेकर कोविड-19 आयुष चिकित्सक संघ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। जिसमें कहा गया है कि देश के किसी भी कोने में बिना किसी पारिश्रमिक के सेवाएं देने को तैयार हैं। कोविड-19 आयुष चिकित्सक संघ ने पत्र में लिखा कि आज से लगभग 5 साल पूर्व विश्व में कोविड- 19 वैश्विक महामारी आई थी, जिसका सामना पूरे विश्व को करना पडा था। उस समय मध्य प्रदेश सरकार ने अस्थाई रूप से लगभग 4000 से अधिक अस्थाई कोरोना योद्धा की भर्ती की थी और सभी अस्थाई कोरोना योद्धाओं ने अपनी जान की परवाह न करते हुए लगातार 2 साल तक कोरोना में अपनी सेवाएं देकर लोगों की जान बचाई और देश सेवा की। उसके बाद मध्य प्रदेश की सरकार ने बजट की कमी का हवाला देकर सभी कोरोना योद्धाओं को नौकरी से निकाल दिया था। आज भी लगभग 2000 से अधिक कोरोना योद्धा बेरोजगार घूम रहे हैं। पत्र में आगे लिखा गया है कि 8 मई से लगातार भारत-पाकिस्तान युद्ध प्रारंभ हो गया है। जिसके कारण भारत सरकार ने महत्त्वपूर्ण विभागों को सर्तक रहने और आपातकालीन व्यवस्थाओं के लिए तैयार रहने के लिए निर्देशित किया है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश के 4000 अस्थाई कोरोना योद्धाओं ने निर्णय लिया है कि देश की इस महत्त्वपूर्ण आवश्यक परिस्थिति में देश के साथ है और देशहित सेना के जवानों की सुरक्षा के लिए भारत-पाकिस्तान सीमा और उनसे लगे क्षेत्रो में जहां भी स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता होगी। वहां पर निस्वार्थ रूप से अपनी सेवाएं देशहित के लिए हमेशा देने के लिए तैयार हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में पौधरोपण-अंगदान की शपथ

इन्दौर। जेएसजी आइएफ के इलेक्ट चेयरमैन मनीष कोठारी की अध्यक्षता में जैन सोशल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नीलेश प्रियंका वेद की चेयरमैन नियुक्ति के साथ गौरव मेहता को सचिव व नवीन कार्यकारिणी को भी शपथ दिलाई गई। समारोह में इंदौर अहिल्या रीजन के 30 से अधिक ग्रुप्स व 4 संगिनी ग्रुप्स के सदस्यों ने सेवा प्रकल्पों को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ पौधरोपण और अंगदान की शपथ भी ली। इस दौरान सेक्रेटरी जनरल मनीष शाह, इंदौर टेबल टेनिस क्लब के चेयरमैन विनय छजलानी, जयेश आचार्य, कैलाश वेद मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात नीलेश सोनिका मांडोत, अमित करुणा चौधरी, दीपेश मितली जैन ने तंबोला खिलाया।

कर्मचारियों के नियमितिकरण में अफसर बने रोड़ा

हाईकोर्ट ने नियमित करने की कार्य योजना मांगी, सरकार के पास दैवेभो के आंकड़े ही नहीं

इंदौर। प्रदेश में दैनिक वेतन भोगी और अस्थायी कर्मचारियों को नियमित किए जाने के लिए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से कार्ययोजना मांगी है। इस कार्ययोजना की जानकारी देने और अमल करने की बात तो दूर रही, सरकार को यही नहीं पता है कि किस विभाग में कितने कर्मचारी दैनिक वेतन भोगी (दैवेभो) और अस्थायी कर्मचारी के रूप से काम कर रहे हैं। सामान्य प्रशासन विभाग तीन माह में भी विभागों से इसकी जानकारी नहीं ले पाया है।

दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एसएलपी प्रकरण जग्गू वर्सेस भारत सरकार और विनोद कुमार वर्सेस भारत सरकार में पारित निर्णय के आधार पर जबलपुर हाईकोर्ट में साल 2024 में रिट पिटीशन लगाई है। जिस पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जानकारी मांगी है। कहा कि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों और अस्थायी कर्मचारियों के नियमितिकरण को लेकर राज्य सरकार अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत करे।

सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके बाद सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिवों को निर्देश जारी कर कहा है कि 16 मई 2007 की स्थिति में काम करने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति अनियमित है लेकिन अवैधानिक नहीं है। यह कर्मचारी 1 जनवरी 2025 तक काम कर चुके हैं या अभी कर रहे हैं। इस आधार पर ऐसे कर्मचारियों की जानकारी शासन को भेजी जाए।

15 दिन में मांगी थी जानकारी, दो माह में नहीं मिली

सामान्य प्रशासन विभाग ने इसको लेकर फरवरी 2025 में निर्देश जारी कर सभी विभागों से जानकारी मांगी थी। इसके बाद रिमांइडर भी भेज दिए लेकिन विभाग यह नहीं बता पाए हैं कि कितने स्थायी, अस्थायी और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी काम कर रहे हैं। यह जानकारी 16 मई 2007 से एक जनवरी 2025 की स्थिति में अलग-अलग विभागों में पदस्थ कर्मचारियों के मामले में दी जाना है। चूंकि विभागों ने इसकी जानकारी ही शासन को नहीं दी है, इसलिए सामान्य प्रशासन विभाग अब एक बार फिर इसको लेकर जानकारी मंगा रहा है।

मप्र भाजपा की ऑफिशियल वेबसाइट हैक

ओपन करने पर यू हैव बीन हैक्ड पीएफए साइबर फोर्स लिखा आया

इंदौर। भारत-पाकिस्तान के बिगड़े हालात के बीच हैकर्स ने शनिवार को मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी की ऑफिशियल वेबसाइट को हैक कर लिया है। जानकारी के मुताबिक हैकर्स ने भाजपा की राष्ट्रीय वेबसाइट को भी हैक करने की कोशिश की है। भाजपा से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पार्टी की एमपी की वेबसाइट पर सुबह कुछ यूजर्स ने जाकर देखा तो उस पर पाकिस्तान ऑपरेशन का नाम लिखा हुआ आ रहा था। हालांकि अभी वेबसाइट पर भारतीय जनता पार्टी और 404 लिखा हुआ आ रहा है।

भाजपा आईटी सेल को वेबसाइट हैक होने की जानकारी जैसे ही मिली, टीम ने इसे ठीक करने का काम शुरू कर दिया। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने बताया कि सुबह वेबसाइट हैक होने की जानकारी मिली थी। टीम ने जानकारी मिलते ही इसे रिस्टोर कर लिया है। हालांकि अग्रवाल ने पार्टी की राष्ट्रीय वेबसाइट हैक होने की बात से इनकार किया।

वेबसाइट पर ऑपरेशन बुनयान-अल-मरसूस लिखा- वेबसाइट के होमपेज पर यू हैव बीन हैक्ड पीएफए साइबर फोर्स लिखा हुआ नजर आ रहा था। हालांकि यह अभी तक साफ नहीं हुआ है कि वेबसाइट किसने हैक की है। हैक की गई वेबसाइट पर ऑपरेशन बुनयान-अल-मरसूस का जिक्र प्रॉमिनेंटली दिखा। इस ऑपरेशन का नाम अरबी भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ है शीशे से बनी मजबूत दीवार। इस ऑपरेशन के बारे में पाकिस्तान की तरफ से भी बयान सामने आया था।

फिलहाल भाजपा संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि वेबसाइट को 15 से 20 मिनट में रिस्टोर कर लिया गया है।

राष्ट्रीय वेबसाइट भी हैक करने की भी कोशिश- भाजपा सूत्रों ने बताया कि हैकर्स ने एमपी के साथ ही भाजपा की राष्ट्रीय वेबसाइट भी हैक करने की कोशिश की थी। हालांकि भाजपा की तरफ से इसे लेकर अब तक ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं वर्तमान में जब गूगल पर भाजपा की वेबसाइट पर जाने की कोशिश की जा रही है तो प्लीज ट्राय अगेन 404 लिखा हुआ आ रहा है।

2019 में भी हुई थी पार्टी की वेबसाइट हैक- भाजपा की आधिकारिक वेबसाइट को मार्च 2019 में भी हैक किया गया था। तब हैकर ने वेबसाइट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक मीम शेयर करके कई अपशब्द भी लिखे थे। 2019 में करीब दोपहर साढ़े ग्यारह बजे भाजपा की आधिकारिक वेबसाइट को खोला गया, तो इसमें पहले कुछ आपत्तिजनक सामग्रियां देखी गई थी। हालांकि, बाद में साइट डाउन हो गई और एरर का मैसेज दिखने लगा।